रंगरेज़

रंग तेरा मेरी कलम से...

by

डॉ संगीत शर्मा

Sample Copy. Not For Distribution.

रंगरेज़

Sample Copy. Not For Distribution.

Publishing-in-support-of,

EDUCREATION PUBLISHING

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.educreation.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-1-61813-677-0

Price: ₹175.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Educreation.

Printed in India

Sample Copy. Not For Distribution.

रंगरेज़

डॉ संगीत शर्मा

EDUCREATION PUBLISHING
(Since 2011)
www.educreation.in

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

क्र	अनुक्रम	पृष्ठ
1.	नई शुरुआत	1
2.	जानिया	2
3.	रंगरेज	4
4.	कहाँ था ?	5
5.	अहसास के गीत	6
6.	खोये हुए को पाने में	7
7.	पूछते हैं तारें	8
8.	कर दे मेहरबानी	9
9.	महफिल में जरुर आना	10
10.	तेरी यादों का खुमार	11
11.	आँखे चीरते है अधूरे ख्वाब	13
12.	आँखों से शराब	14
13.	आहट होती है सुनी चोखट पर	15
14.	इजहार या इंकार	16
15.	रहमत की आस	17
16.	इन्तजार	18
17.	दिन रात तेरी माला	19
18.	छोड़ कर चली गयी..	20
19.	दुनिया मतलब की	21
20.	अधूरे सवाल	23
21.	अनकहे लफ्ज	24
22.	अपनी यादों से	25
23.	करदे दूर अँधेरा	26
24.	आराम नहीं होता	27
25.	उसी की बात	28
26.	एक तरफा प्यार	29
27.	कट गयी गम की रातें	30
28.	मैं तुझसे रूठूँ	31
29.	ध्यान तुम्हारा	32
30.	किराएदार नहीं रखतें	33
31.	कुछ तो हुआ है	34
32.	अकेला छोड़ दे	35
33.	कौन सी पढाई	36
34.	क्यों तंग करती हो	37
35.	खुबसूरत चीज को तेरा नाम	38
36.	खुशबु तेरी क्यों आती है	39
37.	गलती किसकी थी ?	40

Sample Copy. Not For Distribution.

38.	चिंता हिन्दू और मुसलमान की	42
39.	जागीर गीतों की	43
40.	झूठे इल्जाम	45
41.	झूठें सहारें	46
42.	याद है	47
43.	तुम ना छोडती तो	48
44.	तुम फिर भी नहीं आई ना	49
45.	तुमको ही पाऊं	50
46.	तुम ही बोल दो	51
47.	तुम्हारे बाद मिली तन्हाई	52
48.	दर्द बेचने का काम	53
49.	दाखिला	54
50.	मशहूर हो गया	55
51.	प्यासी रूह	56
52.	चार साल	57
53.	माफ	58
54.	सब कुछ जरुरी है	59
55.	मुझे इलाज बता दे	60
56.	नई उड़ान	62
57.	मेरी याद आती हैं ?	63
58.	गवाही	64
59.	मेरे प्रेम पत्र	65
60.	वफादार	66
61.	क्यों परेशान है तू	67
62.	ख्वाब तेरा	68
63.	रो कर करे या हंस कर	69
64.	वक्त ठहर गया	70
65.	वक्त ठहरा हैं	71
66.	शिकायत	72
67.	तैयार हूँ	73
68.	प्यार तो करे	74
69.	सब है घात लगायें	75
70.	मेरा यार	77
71.	स्वागत की तैयारी है	78
72.	मैं तुझे लिखता रहा	79
73.	तुम भी रो रही थी ना	80
74.	बुरा हाल होता है	81
75.	बदल गया हूँ	82
76.	कैसा गीतकार हूँ	83
77.	आँख पूरी रात	84

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

नई शुरुआत

आजा फिर से नई शुरुआत करे
फिर से हम पहली बार बात करें

भुला दे मिल कर हम अपने शिकवें गिलें
अजनबी बन कर हम नये सिरे से मिले
नया उजाला लाकर खत्म गम की रात करें

आजा फिर से नई शुरुआत करें
फिर से हम पहली बार बात करें

पता नहीं कब तक जिन्दगी बाकी हैं
कल का भरोसा नहीं आज का दिन काफी हैं
एक दुसरे पर अब खुशीयों की बरसात करे

आजा फिर से नई शुरुआत करें
फिर से हम पहली बार बात करें

Sample Copy. Not For Distribution.

जानिया

दिन थोड़े सख्त है ना डर जानिया
खाली मत बैठ कुछ कर जानिया

पैसों की है तंगी कुछ रिश्ते भी टूटे हैं
मुझ पर जो मरते थें सब मुझसे रुंठे हैं
बेगाना सा लगता है घर जानिया
खाली मत बैठ कुछ कर जानिया

यकीं नहीं होता मेरा अब अपनों पर
गैरों की तरह वो हँसतें मेरे सपनों पर
मेरी मंजिल से सब बेखबर जानिया
खाली मत बैठ कुछ कर जानिया

इज्जत उसकी जिसकी नौकरी सरकारी
बाकी सब ऐसे जैसे लुट गये जुआरी
लम्बा हो गया है अब सफर जानिया
खाली मत बैठ कुछ कर जानिया

इश्क सब करते पर ना हमसफर बनाते
प्यार के बीच में भी पैसे क्यों है आते
२५ हजार में कहाँ चलता है घर जानिया
खाली मत बैठ कुछ कर जानिया

Sample Copy. Not For Distribution.

स्वभाव समझ ले तू संगीत का है ऐसा
उधार अगर ना हो फिर न चाहिए पैसा
दाल रोटी खा कर भी गुजर जानिया
खाली मत बैठ कुछ कर जानिया

Sample Copy. Not For Distribution.

रंगरेज

आज फिर दिखा मुझे वो रंगरेज मेरा
ना रोने का टुटा फिर से परहेज मेरा

आँखों में अभी भी वहीँ शैतानी दिखती है
थोड़ी और निखरी उसकी जवानी दिखती है
देखते ही खिला दिल निस्तेज मेरा
आज फिर दिखा मुझे वो रंगरेज मेरा

अदाएं अभी भी हद से ज्यादा करामाती हैं
मरने से पहले ही ये स्वर्ग दिखलाती हैं
पूरी जिन्दगी का है वो दस्तावेज मेरा
आज फिर दिखा मुझे वो रंगरेज मेरा

पता नहीं अब कौन लूटेगा किसकी बारी है
सब रंगों में माहिर ये रंगीला व्यापारी है
जाम कर दिया था इसने दिमाग तेज मेरा
आज फिर दिखा मुझे वो रंगरेज मेरा

Sample Copy. Not For Distribution.

कहाँ था ?

पहले तो न देखा ऐसा ये समा था
पता नहीं यारो मैं अब तक कहाँ था

तुम से मिल कर थमी है जिन्दगी की लड़ाई
वरना अब तक तो भंवर में फसां कारवां था

नाम तेरे में ही छुपी कहानी मेरी जिन्दगीं की
पहले हाले–दिल न होता किसी शब्द से बयां था

हो जाए तेरी रहमत तो मैं सजा दूँ जिन्दगी को
तेरे इशारे पर ही रुका शायद ये सिलसिला था

जन्नत में जा कर ही होती है मुलाकात खुदा से
मिले तुम तो पता लगा मेरा ये वहम बेतुका था

रूहें लेती रहती है जन्म शायद तड़प मिटाने को
तभी मेरे अन्दर कोई शख्श अभी तक प्यासा था

Sample Copy. Not For Distribution.

अहसास के गीत

जो बन सकता था बना कर लाया हूँ
अहसासों से गीत सजा कर लाया हूँ

तेरे चेहरे पर अलग सा नूर दिखता है
आखों में अजब सा सरुर दिखता है
आँखों से गीत चुरा कर लाया हूँ
अहसासों से गीत सजा कर लाया हूँ

जब जब दिल तुम्हारी यादों में रंगा
शब्द ऐसे बहे जैसे गंगोत्री से गंगा
शब्दों की गंगा में नहा कर लाया हूँ
अहसासों से गीत सजा कर लाया हूँ

नाम का है संगीत गीत तो तुम्हारे हैं
तुम्हारी यादों के सहारे जीते बेचारे हैं
पैगाम अपना शरमा कर लाया हूँ
अहसासों से गीत सजा कर लाया हूँ

Sample Copy. Not For Distribution.

खोये हुए को पाने में

खोये हुए को पाने में
जैसे सदी बीत गयी उसे मनाने में

यूँ तो फिजा में बहारों की कोई कमी नहीं
पर कुछ तो खास है उसके आशियानें में

मिल जाये अगर मेरी भटकती नजर उनसे
तो खींच ले जाएँगे उसे बीते जमाने में

ना छोड़ते कभी वो मेरा हाथ थाम कर
पर दुनियां मुस्तैद थी उन्हें बहकाने में

मिलते थे कुछ पल बड़ी ही मुश्किल से
बीत जातें थे वो भी यूँही हडबडाने में

Sample Copy. Not For Distribution.

पूछते हैं तारें

मुझे पूछते हैं तारें ,कहाँ हैं तेरे यार प्यारें
तू तो रह गया बेचारे ,झूठे लारों के सहारे

मैं करता हूँ बहस उनसे पुरे जोर से
देखों खुशबु है आती उसकी चारों और से
वो रूह में हैं बसता कैसे कहूँ उसे दूर
हाँ देर उसने कर दी पर आएगा जरुर
टिमटिमा के करते इशारे ,आशिक हैं तू जा रे
मुझे पूछते हैं तारें ,कहाँ हैं तेरे यार प्यारें

चाँद आया फिर आगे दूर हुआ कुछ अँधेरा
मैं फिर तारों को बोला यार ऐसा ही हैं मेरा
सब हंसने लगे मुझपे बोले सुनों इसकी बातें
आशिकों का काम हैं ये बस बातें ही बनातें
तभी रह जाते हैं कुंवारें ,संगीत जैसे बेचारें
मुझे पूछते हैं तारें ,कहाँ हैं तेरे यार प्यारें

Sample Copy. Not For Distribution.

कर दे मेहरबानी

बीत गयी आधी सी जवानी ,सुखा आँखों का भी पानी
अब तो कर दे मेहरबानी मुझपर कर दे मेहरबानी

हो गयी परीक्षा अब क्यों ज्यादा सताता है
क्यों सबको जीता कर मुझको हराता है
बना दे अब दुनिया दीवानी ,लिखदे मेरी भी कहानी
बीत गयी आधी सी जवानी ,सुखा आँखों का भी पानी

सोचा क्या है तूने कुछ मुझे भी बता दे
कितना रुलाएगा अब तो थोडा सा हंसादे
कब तू जागेगा पता नहीं ,थक गया हूँ
मेरी भी खता नहीं
बीत गयी आधी सी जवानी ,सुखा आँखों का भी पानी

जुबान लड़ाने लगे अब हमसे ऐरे गैरे
जो कल तक झुकते थें कहते है अब तू जा रे
तुझको तो आती है निभानी,भूल जा मेरी सब नादानी
बीत गयी आधी सी जवानी ,सुखा आँखों का भी पानी

संगीत की दुनियां में पहचान तू बनादे
मेरे दीवानों का भी एक जहां तू बना दे
कर दे अब तू तूफानी ,बरसा दे रहमत का पानी
बीत गयी आधी सी जवानी ,सुखा आँखों का भी पानी

Sample Copy. Not For Distribution.

महफिल में जरुर आना

मान ले कभी जमाना कीमत हमारी जान ले
मेरे गीत में छुपे दर्द को पहचान ले
तू महफिल में जरुर आना मुझे अच्छा लगेगा
देखना मेरा हर गीत तुझे सच्चा लगेगा

याद आएगा वक्त रिश्ते की शुरुआत का
कभी जिक्र आएगा आखिरी वाली बात का
हर शेर बालों में हाथ फेरता बच्चा लगेगा
तू महफिल में जरुर आना मुझे अच्छा लगेगा
देखना मेरा हर गीत तुझे सच्चा लगेगा

होठों पर हंसी होगी आँखें तेरी भी रो देंगीं
वादा हैं मुझे देख अपना आपा वों खो देंगीं
दुनियां भूल जाओगी हर रिश्ता कच्चा लगेगा
तू महफिल में जरुर आना मुझे अच्छा लगेगा
देखना मेरा हर गीत तुझे सच्चा लगेगा

Sample Copy. Not For Distribution.

Get Complete Book
At Educreation Store
www.educreation.in

Sample Copy. Not For Distribution.

गीत भी बना दिए हैं अगर तुम समझ पाओ
संगीत बन जाये तुम मुझसे ताल तो मिलाओ
कुछ अधूरापन दिखे तो अहसास अपने जोड़ दो
जिस गजल से हो सहमत उसका पन्ना मोड़ दो

.....

क्या अभी भी तुझे मेरी याद आती है
तेरी नींद के महल को अभी भी गिराती है
अकेले में कभी जो दिल का तार बजता है
उसमे से आवाज क्या संगीत की आती है

कभी मुझे देखो तुम अगर शायरी के मेले में
क्या खोया क्या पाया तब सोचना अकेले में

Contact For Poetry Recitation

Dr Sangeet Sharma
Mob - 9871165187
email - sangeetsharma86@gmail.com
Twitter - Dr. Sangeet Sharma@sangeetsharma86

EDUCREATION
PUBLISHING (Delhi)
www.educreation.in

Also available as an eBook
POETRY
ISBN 978-1-61813-677-0
9 781618 136770 >

Sample Copy. Not For Distribution.